VASISHTHA GENESIS SCHOOL, BARDOLI
(Academic Session 2025-26)

Date: _____ Class: v Div: A /C Roll No: _____ Sub: 2LHindi

Name: _____ Worksheet: 1

पाठ -1 बढ़े चलो, बढ़े चलो

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्न-उत्तर :- (पाठ-चर्चा)

i. **कवि कहाँ बढ़ने की बात कर रहा है ?**

उत्तर- कवि जीवन में आगे बढ़ने की बात कर रहा है |

ii. **तन बिखरने पर भी क्या नहीं करना है ?**

उत्तर- तन बिखरने पर भी रुकना और झुकना नहीं है |

iii. **किन स्थितियों में भी अड़े रहना चाहिए ?**

उत्तर- आकाश मार्ग से प्रहार किए जा रहे हों,चारों ओर लोग मर रहे हों,हर तरफ़ खून की होली खेली जा रही हो, ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी अड़े रहना चाहिए |

iv. **'बढ़े चलो,बढ़े चलो' कविता के कवि का नाम क्या है ?**

उत्तर- 'बढ़े चलो,बढ़े चलो' कविता के कवि का नाम सोहनलाल द्विवेदी है |

अधिकतम शब्दों में-

i. **कवि बार-बार 'बढ़े चलो,बढ़े चलो' क्यों कह रहा है ?**

उत्तर- कवि बच्चों को निर्भय होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए बार-बार 'बढ़े चलो,बढ़े चलो' कह रहा है |

ii. **आगे बढ़ने पर क्या होगा ?**

उत्तर- कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने पर जीवन का लक्ष्य प्राप्त होगा |

iii. **हमें किसकी तरह चलना और जलना है ?**

उत्तर- हमें नई मिसाल बनाते हुए चलना है और दूसरों को अपनी तरह बनने के लिए प्रेरित करना है व मशाल की तरह जलकर सारे विश्व को उजाले से भरना है |

iv. **स्वतंत्रता का मोल किस तरह चुकाया जा सकता है ?**

उत्तर- देश के लिए अच्छे और महान कार्यों द्वारा और ज़रूरत पड़ने पर अपनी जान देकर स्वतंत्रता का मोल चुकाया जा सकता है |

v. कविता स्वतंत्रता से पहले लिखी गई थी या बाद में - यह किस अंश से पता चलता है ?

उत्तर- कविता स्वतंत्रता से पहले लिखी गई थी न कि बाद में - इसका पता कविता के अंतिम पद से चलता है - अशेष रक्त तोल दो / स्वतंत्रता का मोल दो / कड़ी युगों की खोल दो इन पंक्तियों में देश को स्वतंत्र कराने का आह्वान किया गया है |

प्रश्न 2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

i. सुधा - ----------

ii. दंड - ----------

iii. मरण - ----------

iv. स्वतंत्रता - ----------

v. बढ़ना - ----------

vi. गगन - ----------

vii. नया - ----------

viii. जलना - ----------

प्रश्न 3. कविता की पंक्तियाँ पढ़कर सही उत्तर पर ✓ लगाओ -

घटा घिरी अटूट हो,
अधर पे कालकूट हो,
वही सुधा का घूँट हो,
जिए चलो,मरे चलो,
बढ़े चलो,बढ़े चलो ||

i. ' बढ़े चलो,बढ़े चलो ' का अर्थ है-

( ) कहीं भी चलना ( ) विकास करना

( ) जीवन में आगे बढ़ते रहना ( ) 'ख'और 'ग'ठीक हैं

ii. कवि किस घटा के घिरने की बात कर रहा है ?

( ) बादल छा जाना ( ) मुसीबतों के बादल छाना

( ) शान घट जाना ( ) चलते-चलते मर जाना

iii. **'कालकूट को ही सुधा समझो' पंक्ति का अर्थ है -**

( ) विष को ही अमृत समझो ( ) कठिनाइयों का सामना करो

( ) कालकूट-मुसीबत,सुधा-समाधान ( ) तीनों ठीक हैं